DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR

B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-1 ,UNIT-9,
MEASUREMENT OF PERSONALITY
:PERSONALITY INVENTORIES
LECTURE-50

व्यक्तित्व आविष्कारिका

PERSONALITY INVENTORIES

व्यक्तित्व की माप से तात्पर्य व्यक्तित्व के शीलगुणों के बारे में पता लगाकर यह निश्चित करना होता है कि कहाँ तक वे संगठित या विसंगठित है |व्यक्ति मापन से यह पता चलता है कि व्यक्तित्व के किस-किस शीलगुण की शक्ति कितनी है और किस शीलगुण की कमी से व्यक्ति को समायोजन करने में दिक्कत होती है |अतः व्यक्तित्व मापन करके वैसे व्यक्तियों जिन्हें समायोजन में व्यक्तिगत कठिनाई होती है ,की कठिनाइयों को दूर करने में मदद की जाती है |व्यक्तित्व मापन

का दूसरा प्रमुख अनुप्रयोग नेता का चयन तथा उत्तरदायी पदों के लिए सही व्यक्तियों का चयन करने में है |

मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व मापन की बहुत सी विधियों या परीक्षणों का प्रतिपादन किया है |ऐसी प्रमुख विधियों या परीक्षणों को तीन भागो में बाँटा गया है जिसमे प्रथम व्यक्तित्व आविष्कारिका (PERSONALITY INVENTORIES) है |

व्यक्तित्व मापने की इस विधि में व्यक्तित्व के खास –ख़ास शीलगुणों से सम्बंधित कुछ प्रश्न बने होते है जिनका उत्तर प्रायः हाँ –नहीं,सही-गलत आदि में दिया रहता है |व्यक्ति इन प्रश्नों को एक-एक करके पढ़ता है और उसका उत्तर इन दिए गए उत्तरों से चुनकर अर्थात हाँ-नहीं या सही-गलत में से चुनकर देता है यदि प्रश्न व्यक्ति के लिए सही होता है ,तो वह 'सही' या 'हाँ'के रूप में जवाब देता है तथा यदि प्रश्न व्यक्ति के लिए गलत होता है वह 'गलत'या 'नहीं'के रूप में जवाब देता है | जैसे –

(I) क्या आपको अनिद्रा की शिकायत है ? –हाँ/नहीं

(II) क्या आप अकारण ही प्रायः चिंतित रहते है ?-हाँ /नहीं

(III) क्या आपको माता-पिता से उचित प्यार मिलता है ?हाँ /नहीं

एक ही प्रश्न का सही एवं उचित उत्तर अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग-अलग हो सकता है |इस तरह की आविष्करिका के प्रत्येक प्रश्न को व्यक्ति स्वयं पढता है और अपने बारे में एक रिपोर्ट (REPORT) या व्यक्तव्य देता है इस कारण से इसे आत्म -रिपोर्ट आविष्कारिका (self-report inventories)भी कहा जाता है |इस तरह की आविष्कारिका को मनोमिति परीक्षण (psychometric test)भी कहा जाता है क्योंकि ऐसे परीक्षण प्राय :परीक्षण निर्माण की सभी आवश्यकताओं को वैज्ञानिक ढंग से पूरा करते है |इसे कुछ मनोवैज्ञानिकों ने पेपर –पेंसिल परीक्षण भी कहा है |

व्यक्तित्व आविष्कारिका का वैज्ञानिक प्रयोग प्रथम विश्व - युद्ध के समय प्रारम्भ हुआ |इस युद्ध में वैसे सैनिकों को छाँटने की तीव्र आवश्यकता महसूस की गयी जो सांवेगिक रूप से अस्थिर थे |इस उद्देश्य की पूर्ति करने के लिय वुडवर्थ ने 1818 में एक व्यक्तित्व आविष्कारिका तैयार किया जिसका नाम ‘वुडवर्थ परसनल डाटा इनवेंट्री’ रखा गया |इस आविष्कारिक में कुल 116 प्रश्न थे जिनका उत्तर व्यक्ति को ‘हाँ’तथा ‘नही’ में से किसी एक को चुनकर देना होता था |यद्धपि यह आविष्कारिका बहुत वैज्ञानिक ढंग से निर्मित नही थी,फिर भी इसकी सफलता से प्रेरित होकर व्यक्तित्व

आविष्कारिका के निर्माण में बहुत से मनोवैज्ञानिक लग गये| फलस्वरूप आज व्यक्तित्व आविष्कारिका की संख्या हजारों में हो गयी है |इस सिलसिले में अमेरिका तथा इंग्लैंड में काफी शोध हुए हैं जिसके फलस्वरूप कई महत्वपूर्ण एवं वैज्ञानिक रूप से निर्मित व्यक्तित्व आविष्कारिका हमारे सामने उपलब्ध है |इन सभी की चर्चा तो सम्भव नही है |परन्तु उनमें से कुछ जो अत्यन्त महत्वपूर्ण है इस प्रकार है –

(1) माइनेसोटा मल्टीफेजिक पर्सनालिटी इनवेंट्री-2(MINNESOTA MULTIPHASIC PERSONALITY INVENTORY-2)-MMPI का निर्माण मूलतः हाथावे एवं मैककिनले (1940) द्वारा किया गया इसमें हाथावे मनोवैज्ञानिक थे तथा मैककिनले एक तंत्रिका शास्त्री (NEUROLOGIST)थे |इस परिक्षण में 550 एकांश थे और प्रत्येक एकांश के तीन उत्तर थे –'TRUE', 'FALSE' तथा 'CANN'T SAY' | इस 'मौलिक प्रारूप के दो प्रतिरूप है –वैयक्तिक कार्ड प्रतिरूप (INDIVIDUAL CARD FORM) तथा सामूहिक पुस्तिका प्रारूप (GROUP BOOKLET FORM) | इस इनवेंट्री का उद्देश्य व्यक्तित्व के रोगात्मक शीलगुणों को मापना है |इस मौलिक प्रारूप में 10 नैदानिक मापनी है तथा चार वैधता मापनी है |10 नैदानिक मापनी द्वारा 10 रोगात्मक

शीलगुणों का मापन होता है तथा वैधता मापनी पर के प्राप्तांको द्वारा व्यक्ति द्वारा दिए गये उत्तरों की विश्वसनीयता तथा वैधता का पता चलता है |

(2) कैलफोर्निया साइकोलॉजीकल आविष्कारिका (CALIFORNIA PSYCHOLOGY INVENTORY OR CPI)-इस परिक्षण का मौलिक निर्माण वर्ष 1957 है ,फिर 1987 में गफ (1987) द्वारा इसे संशोधित किया गया है | इस आविष्कारिका का विकास व्यक्तित्व के सामान्य शीलगुणों को मापने के लिए किया गया है |इसमें 462 एकांश है जिनका उत्तर 'सही-गलत' के प्रारूप में देना होता है |इसमें से आधे एकांश MMPT से ही लिए गए है |जिसके द्वारा प्रभुत्व,उत्तरदायुत्व,आत्म-स्वीकृति, आत्म-नियंत्रण जैसे शीलगुणों का मापन होता है |इसमें भी तीन वैधता मापनी है और इसके द्वारा व्यक्ति के गलत मनोवृतियों का पता चलता है |इसकी विश्वसनीयता तथा वैधता काफी अधिक है |

(3) बेल समायोजन आविष्कारिका (BELL ADJUSTMENT INVENTORY)-इस आविष्कारिका का निर्माण बेल ने 1934 में किया |इस आविष्कारिका का उद्देश्य व्यक्ति में समायोजन सम्बन्धी कठिनाइयों का पता लगाना होता

है | इस आविष्कारिका के दो फॉर्म (FORM) है –विधार्थी फॉर्म तथा व्यावसायिक फॉर्म |विधार्थी फॉर्म में कुल 140 एकांश है जो चार भिन्न-भिन्न क्षेत्रो जैसे –गृह ,स्वस्थ,सामाजिक तथा सम्वेगिक अवस्था से सम्बंधित समायोजन समस्याओं का पता लगाता है |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 'हाँ' , 'नहीं' एवं '?' में से किसी एक पर चिन्ह खीचकर दिया जाता है |व्यावसायिक फॉर्म में इन 140 एकांशो में 20 एकांश और जोड़ दिया गया है ताकि इस फॉर्म में कुल 5 क्षेत्र हो जाते है जो वयस्कों के समायोजन की और इंगित करते है |

(4) कैटेल सोलह व्यक्तित्व –कारक प्रश्नावली (CATTEIL'S SIXTEEN P.F QUESTIONNAIRE)- इस परिक्षण का निर्माण कैटेल ने कारक विश्लेषण के आधार पर किया है | इस प्रश्नावली के कई फ़ार्म है जिनके द्वारा 17 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों के सोलह शील-गुणों को मापा जाता है |कैटेल ने इन शील गुणों में तीन तरह के प्रमुख शीलगुणों यानी चित्तप्रकृति शीलगुण,क्षमता शीलगुणों तथा गत्यात्मक शील गुण का समावेश किया है |इस प्रश्नावली में सम्मिलित किये गए सभी सोलह शीलगुण दो ध्रुव में है |सोलह शील गुणों को मापने के

लिए बने सोलह मापनी पर उच्च प्राप्तांक तथा कम प्राप्तांक का ख़ास मतलब होता है |

व्यक्तित्व आविष्कारिका के कुछ गुण तथा दोष भी है |इसके प्रमुख गुण निम्नांकित है –

(I) व्यक्तित्व आविष्कारिका द्वारा व्यक्तित्व के शील गुणों को मापने में काफी सुविधा होती है |एक समय में ही कई व्यक्तियों के शीलगुणों का मापन आसानी से कर लिया जाता है |

(II) व्यक्तित्व आविष्कारिका का प्रयोग नैदानिक परिस्थिति तथा सामान्य परिस्थिति दोनों में ही होता है |फलस्वरूप इस तरह की आविष्कारिका के सहारे भिन्न-भिन्न शीलगुणों के आधार पर व्यक्तियों का तुलनात्मक अध्ययन करना आसान हो जाता है |

व्यक्तित्व आविष्कारिका के प्रमुख अवगुण निम्नांकित है –

(I) कुछ व्यक्तित्व मनोवैज्ञानिको का कहना है की व्यक्तित्व आविष्कारिका द्वारा व्यक्तित्व का मापना अलग-अलग शीलगुण द्वारा होता है जो वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है क्योकि व्यक्तित्व का मापना अलग-अलग शीलगुण द्वारा होता है जो वैज्ञानिक रूप से

उचित नहीं है क्योंकि व्यक्तित्व की व्याख्या इस तरह से पृथक कारको के रूप में संभव नहीं है |

(II) व्यक्तित्व आविष्कारिका की वैधता अधिक नहीं होती है |इसका प्रधान कारण यह होता है व्यक्तित्व आविष्कारिका की वैधता ज्ञात करने में कोई मान्य कसौटी मनोवैज्ञानिकों को नहीं मिल पता है |फलस्वरूप इस तरह की आविष्कारिका से प्राप्त आँकड़ो से कोई सही अर्थ नहीं निकल पाता है |

(III) व्यक्तित्व आविष्कारिका के एकांश बिल्कुल ही स्पष्ट एवं प्रत्यक्ष होते है |फलस्वरूप ,इन एकांशो के सही उत्तर को व्यक्ति आसानी से छिपाकर उसकी जगह पर नकली उत्तर दे देता है |

इन आलोचनाओं के बावजूद भी व्यक्तित्व आविष्कारिका का प्रयोग व्यक्तित्व के मापन तथा उससे संबंधित शोधो से काफी किया जा रहा है |